



# हिन्दी विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर, चूरु  
राजस्थान

## राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी

दिनांक : 15.01.2022

प्रतिवेदन



# राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी

दिनांक : 15.01.2022, शनिवार, समय : अपराह्न 02.00

**ZOOM Meeting ID: 492 119 7793, Passcode: 1234**

मुख्य संरक्षक : श्री कनकमल दूगड़

संरक्षक : प्रो. देवेन्द्र मोहन , सह संरक्षक : डॉ. प्रमोद कुमार पाण्डिया



डॉ. ममता पानेरी  
उदयपुर



प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी  
सागर  
गोष्ठी अध्यक्ष



लेफ्टिनेंट हनुमन्त सिंह  
'मंत' गुरुग्राम  
मुख्य अतिथि



डॉ. सुषमा देवी  
हैदराबाद



डॉ. आभा त्रिपाठी  
अहमदाबाद



श्री कृष्ण कुमार दूबे  
कोलकाता



डॉ. अरविंद कुमार व्यास  
राजसमंद



सुश्री किंजल पटेल  
पालनपुर



डॉ. अल्पना शर्मा  
सरदारशहर



डॉ. कुलराज व्यास  
सरदारशहर



श्री राजेश कुमार  
सरदारशहर



डॉ. उमा सैनी  
सरदारशहर

निर्देशक: डॉ. अविनाश पारीक, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

संयोजक : डॉ. कल्पना मौर्य, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

संचालन : डॉ. विदुषी आमेटा, सह आचार्य, हिन्दी विभाग  
आयोजक

**हिन्दी-विभाग, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय**

उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर, चूरू (राजस्थान)

**हिन्दी विभाग, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान  
उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर, चूरु, राजस्थान**

**राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी**

दिनांक : 15.01.2022

**कार्यक्रम रूपरेखा :**

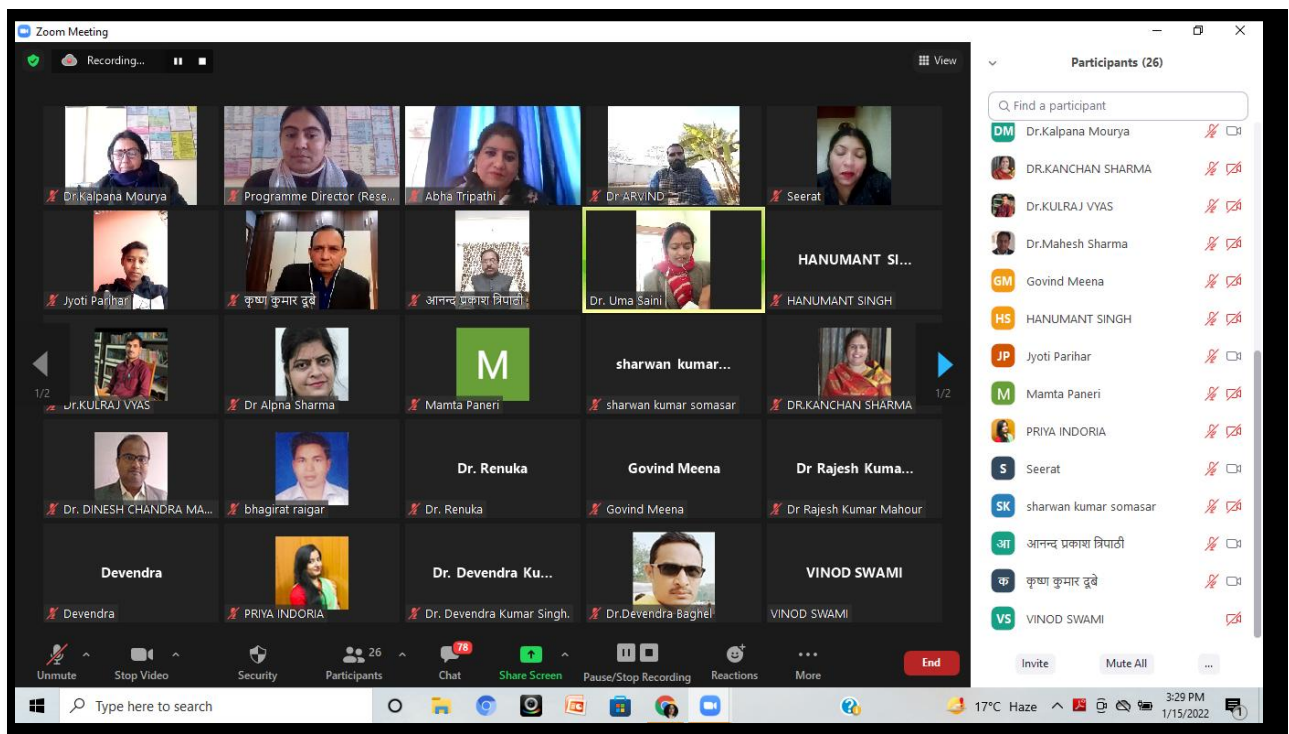
क्रम सं.	कार्यक्रम विवरण	वक्ता	समय
1	दीप प्रज्ज्वलन	मंचासीन महानुभाव	02.00–02.05
2	सरस्वती वंदना	डॉ. अरविन्द कुमार व्यास	02.05–02.15
3	प्रार्थना (गांधी विद्या मंदिर)	राजेश कुमार नायक	02.15–02.20
4	स्वागत वक्तव्य व विषय प्रवेश	डॉ. कल्पना मौर्य	02.20–02.30
5	काव्य प्रस्तुतियाँ	क्रमशः आमंत्रित रचनाकार (15 मिनट अधिकतम)	02.30–04.30
6	अध्यक्षीय वक्तव्य	डॉ. आनंद प्रकाश त्रिपाठी	04.30–04.50
7	आभार ज्ञापन एवं संयोजन	डॉ. विदुषी आमेटा	04.50–05.00

## विवरण

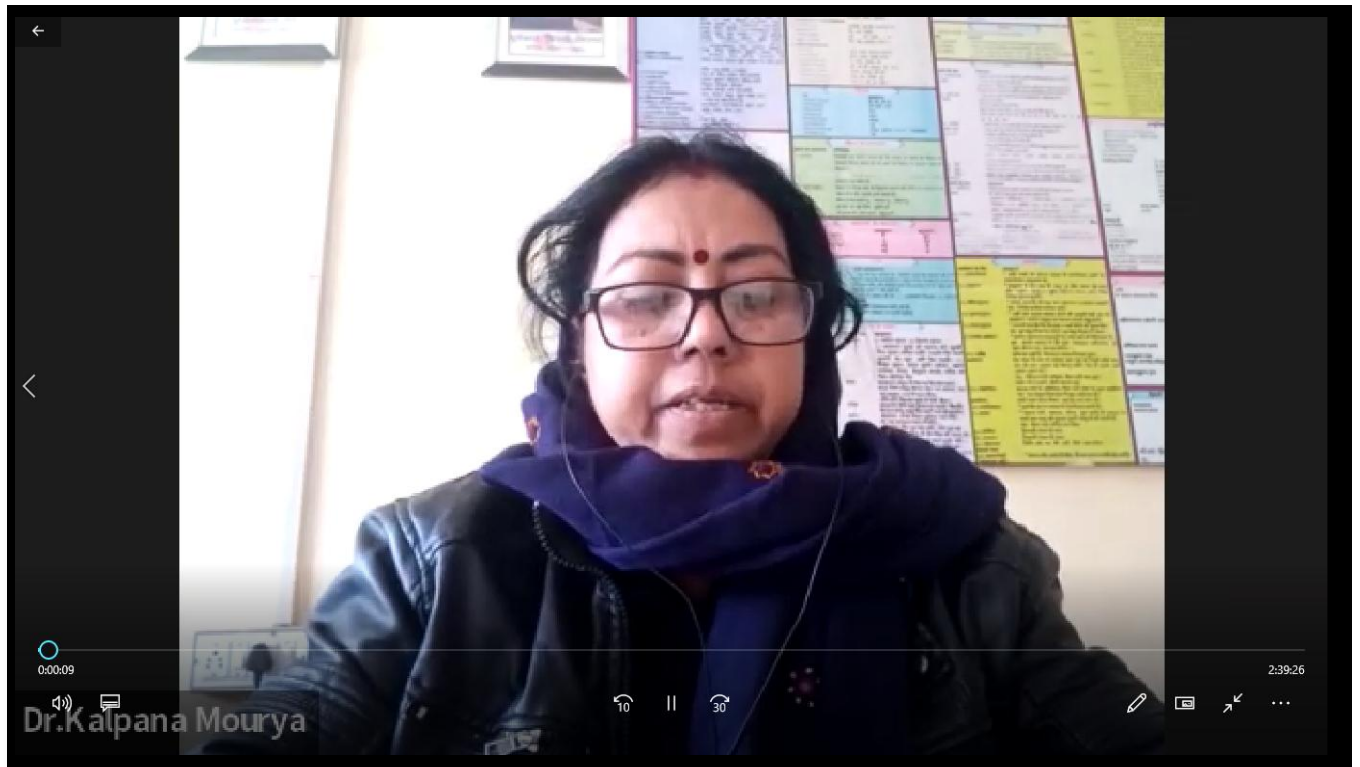
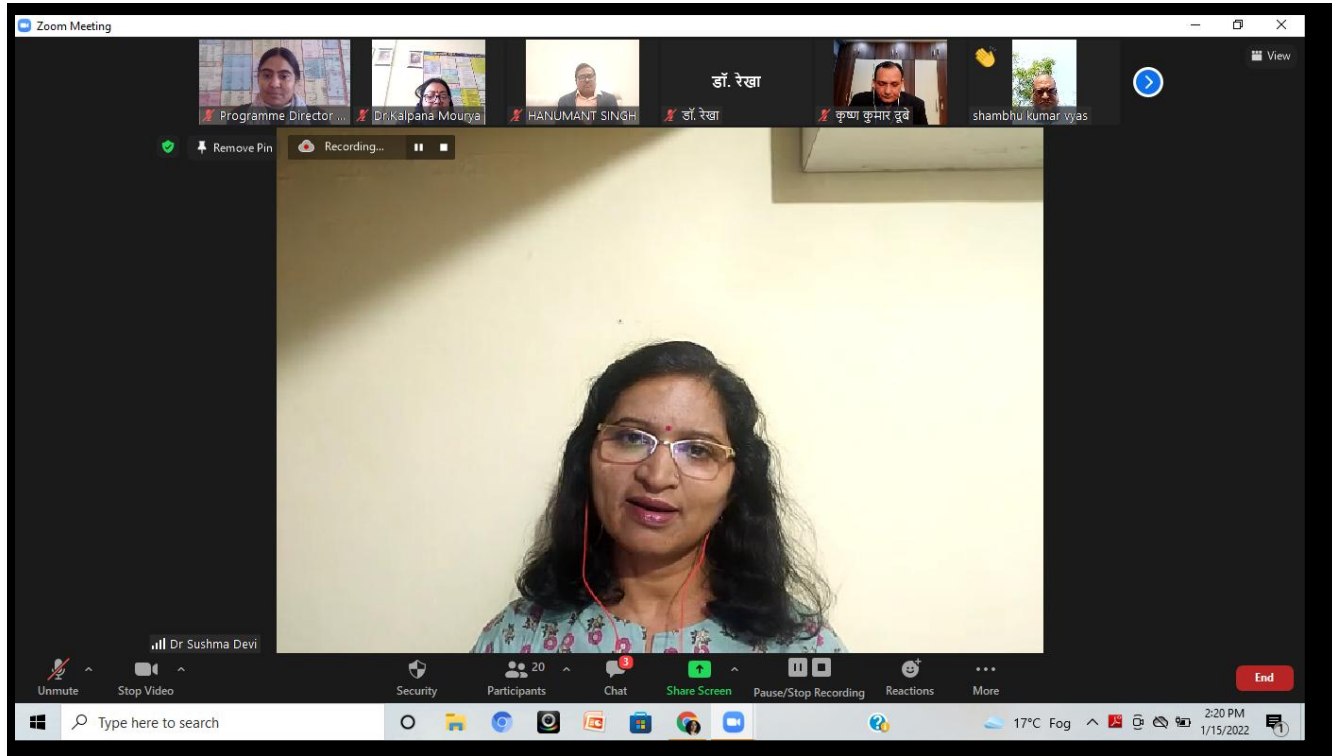
दिनांक 15.01.2022 शनिवार, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर, चूरु के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के हिन्दी विभाग द्वारा राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया गया। राजसंमद के डॉ. अरविन्द कुमार व्यास ने माँ शारदे की वंदना से काव्य गोष्ठी की शुरुआत की। तृतीय वर्ष के विद्यार्थी राजेश कुमार नायक ने पितृ संस्था गांधी विद्या मंदिर की प्रार्थना प्रस्तुत की। विभाग की अध्यक्षा डॉ. कल्पना मौर्य ने सभी आमंत्रित कवियों का स्वागत किया तथा संस्था का परिचय दिया। डॉ. अरविन्द कुमार व्यास ने 'शेष-अशेष' और 'प्रथम वंदना' शीर्षक कविताएँ सुनाकर सबको भारत प्रेम से भर दिया। उदयपुर की डॉ. ममता पानेरी ने 'बसंती उल्लास छाता है, वो जब वो पास आता है' और अहमदाबाद की डॉ. आभा त्रिपाठी ने 'दिलों की उल्फत' कविता सुनाकर आयोजन में मधुरिमा घोल दी। कोलकाता के श्री कृष्ण कुमार दूबे ने 'एक वतन है, एक लक्ष्य है' और 'गये हैं वो दिल दुखाकर, पढ़ाते थे जो पाठ वफा के' सुनाकर वाहवाही बटोरी। हैदराबाद की डॉ. सुषमा देवी 'पीयूष पर्व भारती' और 'न जाने कौन

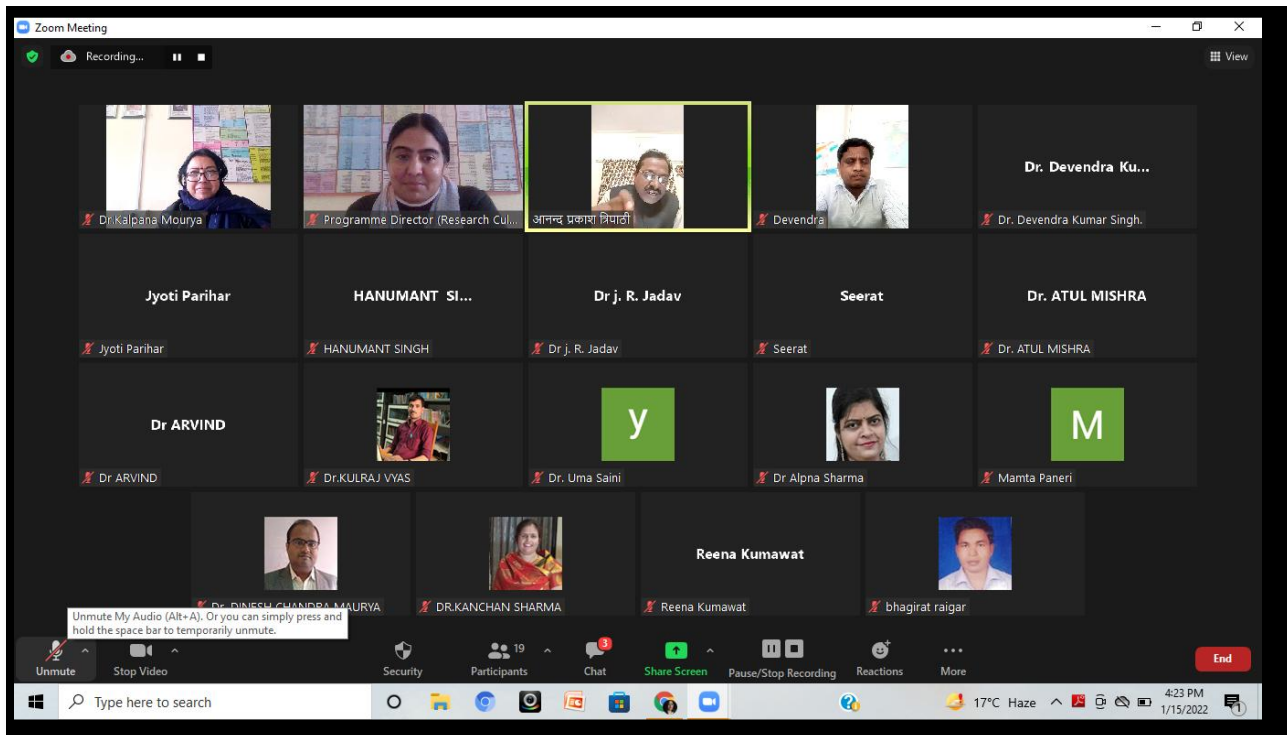
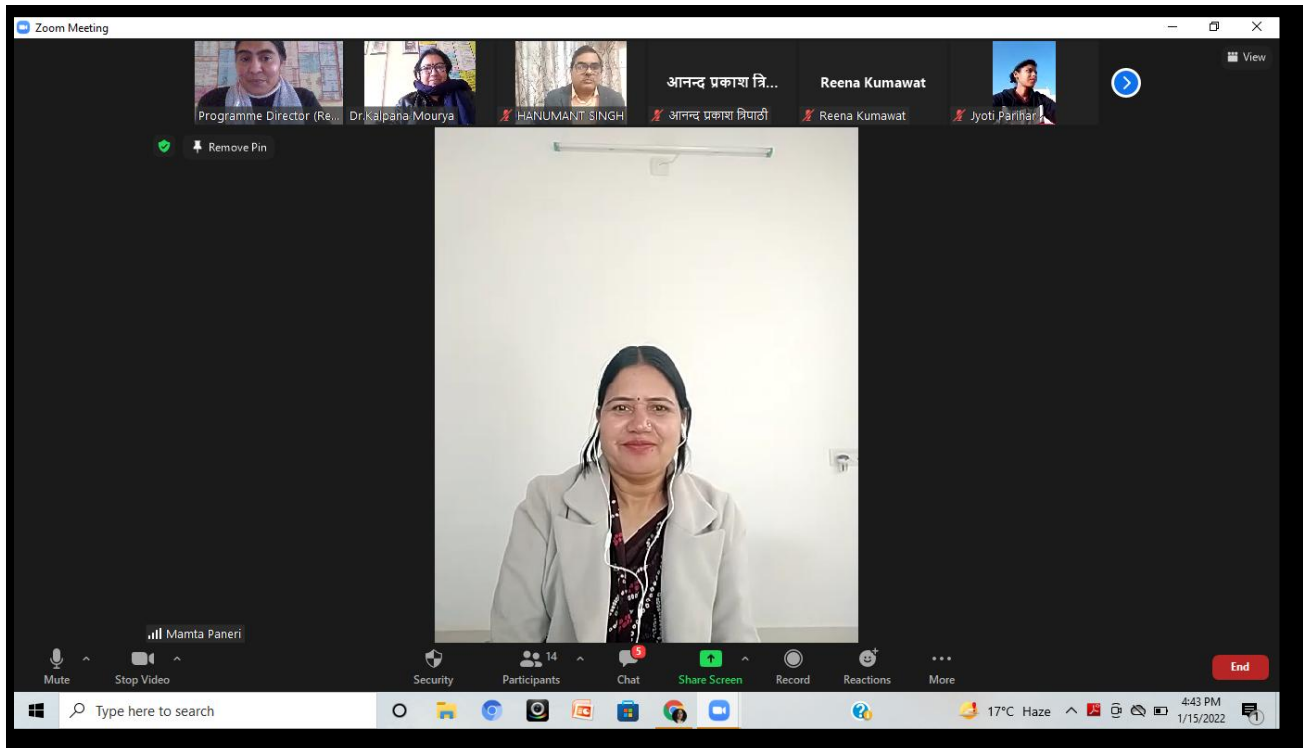
सा मंजर नजर में रहता है' कविताओं से सबको मोहित किया। आयोजक विश्वविद्यालय की डॉ. अल्पना शर्मा ने 'असहिष्णुता कहा है', डॉ. कुलराज व्यास ने 'माँ और बेटे', डॉ. उमा सैनी ने 'स्त्री रूप दर्शन', राजेश कुमार ने 'वफा गाँव की', 'इतना ही काफी है' शीर्षक से कविताएँ सुनाई। गोष्ठी के मुख्य अतिथि गुरुग्राम के लेफ्टिनेंट हनुमंत सिंह 'मंत' ने हरिसिंह पात्र के माध्यम से एक सैनिक और सैनिक परिवार के राष्ट्र के प्रति समर्पित भावों को संवेदनायुक्त शब्दों में अभिव्यक्ति कर श्रोताओं को द्रवित कर दिया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर के प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि कविता करना एक वृहत्तर सामाजिक दायित्व को निभाना है। आज विविध विमर्श के बिन्दुओं पर साहित्य रचना हो रही है, पर ये भी जरूरी है कि रचनाकार की कथनी और करनी में एकरूपता हो। आज सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति का फलक विस्तृत कर दिया पर कविता में संवेदना की गहराई कम होती जा रही है। कला साधना की मांग करती है और जीवन की रिक्तता को पूर्ण करती है। उन्होंने कंधी, स्त्री और कवि, किताबें आदि विषयों पर कविताएँ सुनाई। हिन्दी विभाग की सह आचार्य डॉ. विदुषी आमेटा ने काव्य गोष्ठी का संचालन किया।



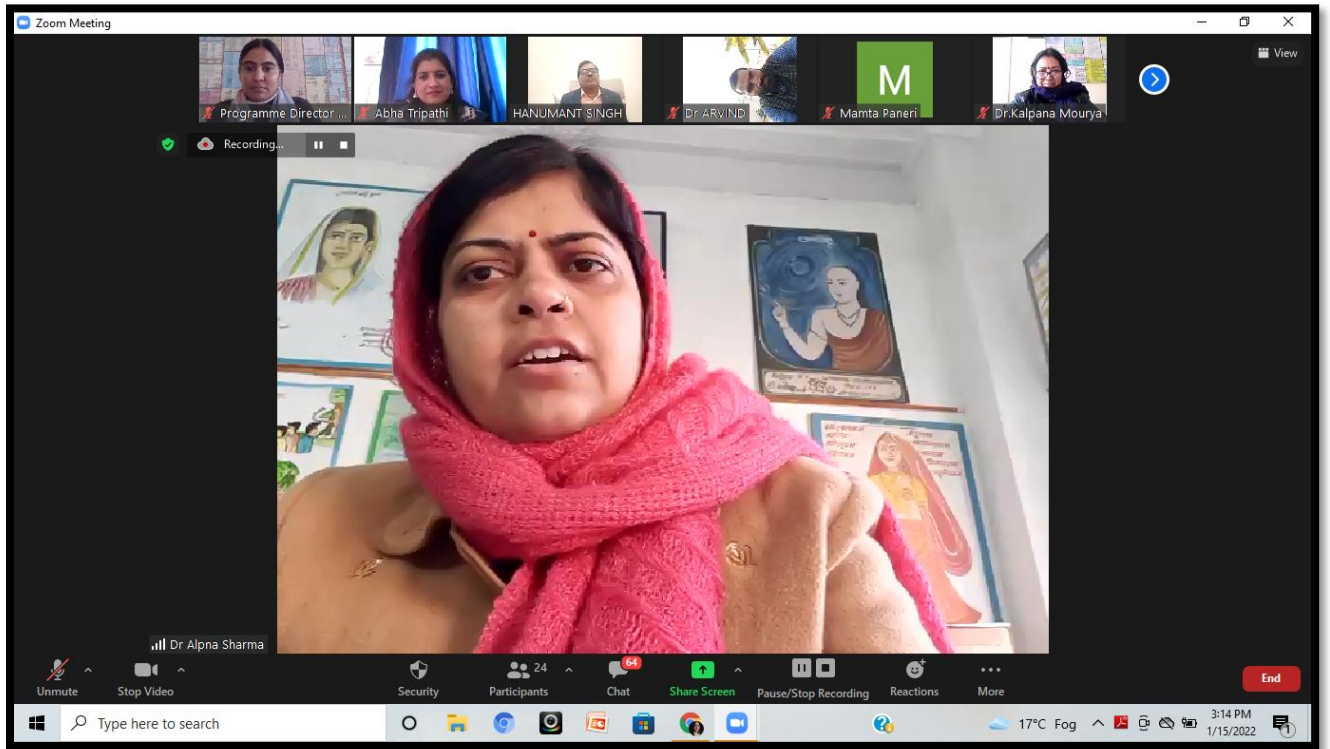
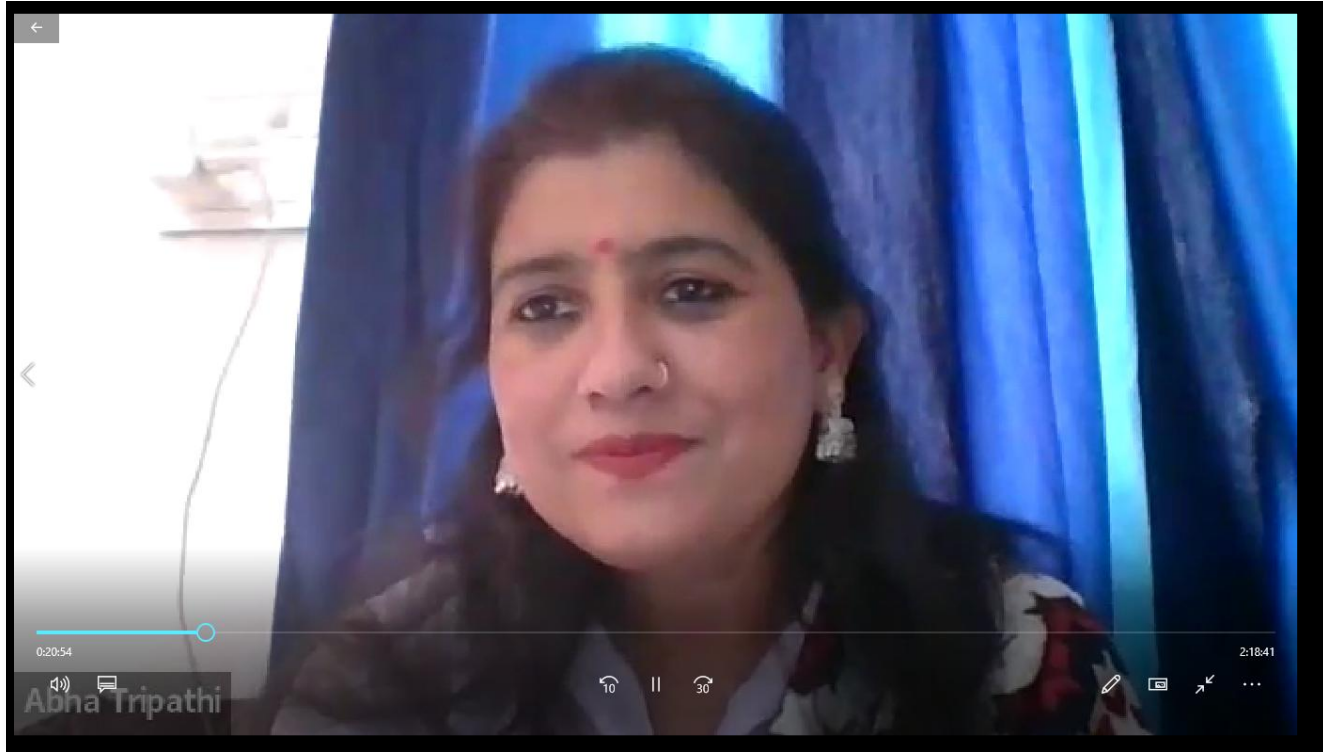


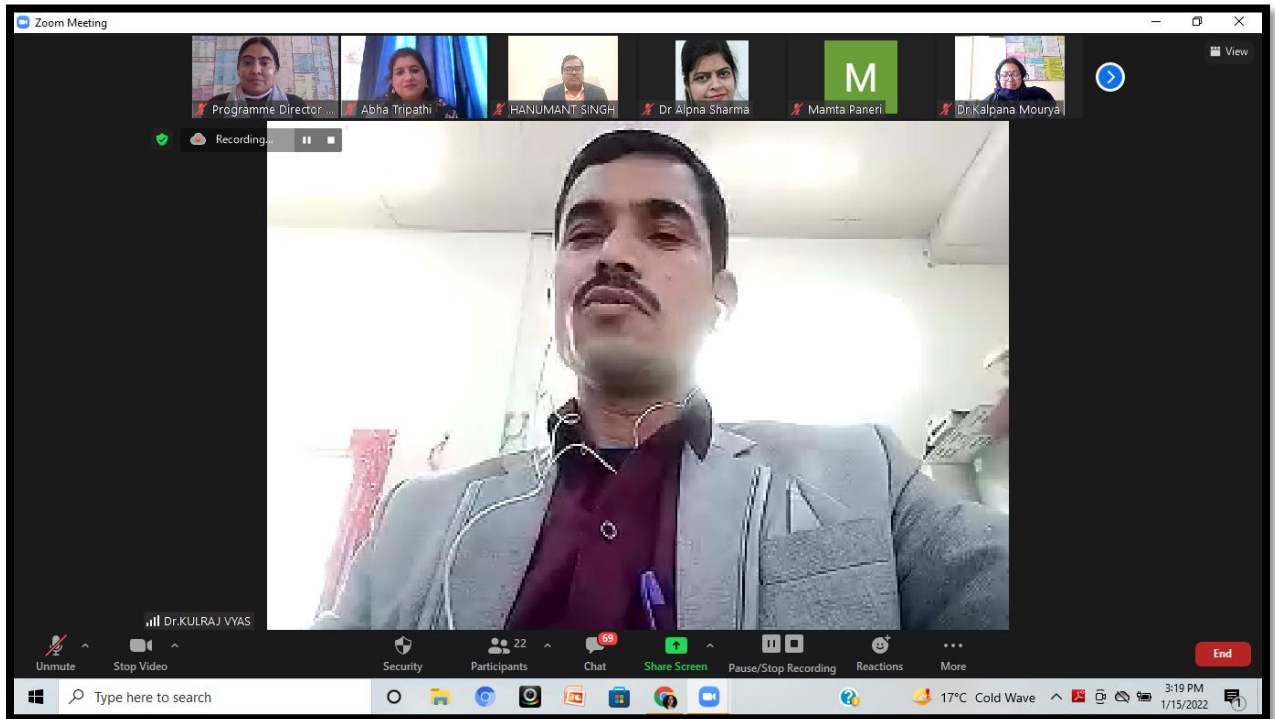
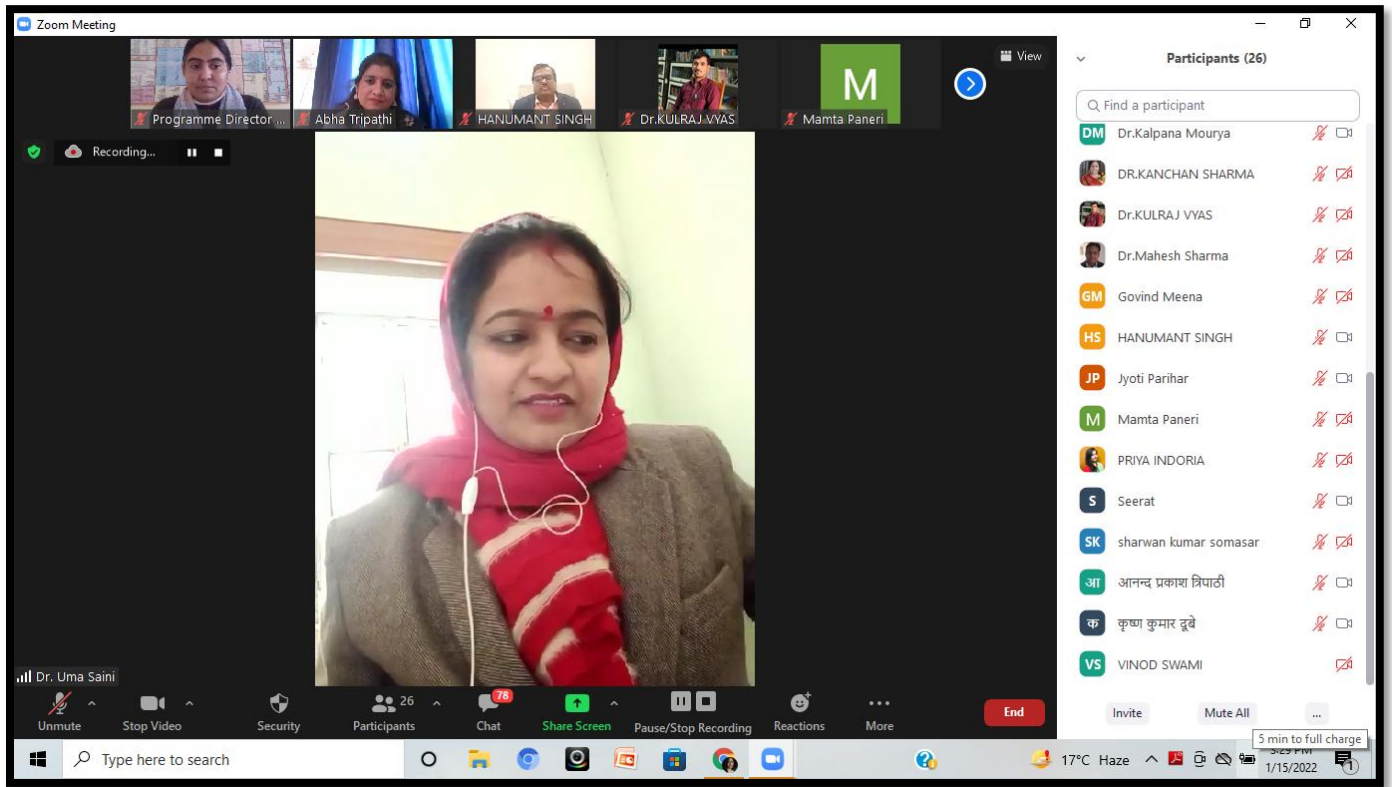












# कविता करना एक वृहत्तर सामाजिक दायित्व

रंगोली  
प्रतिये  
आयो

प्रति  
रुच्यी  
कार  
पुरेश  
इतर  
दीप

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

सरदारशहर, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। अध्यक्षता करते हुए डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर के प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि कविता करना एक वृहत्तर सामाजिक दायित्व को निभाना है। उन्होंने कहा कि आज विमर्श के बिन्दुओं पर साहित्य रचना हो रही है, पर ये भी जरूरी है कि रचनाकार की कथनी और करनी में एकरूपता हो। मुख्य अतिथि गुरुग्राम के लेफ्टिनेंट हनुमंत सिंह 'मंत' ने हरिसिंह पात्र के माध्यम से एक सैनिक और सैनिक परिवार के राष्ट्र के प्रति समर्पित भावों को संवेदनायुक्त शब्दों में अभिव्यक्त



किया। राजसमंद के डा.अरविन्द कुमार व्यास ने मां शारदे की वंदना से काव्य गोष्ठी की शुरुआत की। उदयपुर की डा.ममता पानेरी ने बसंती उल्लास छाता हैं, वो जब वो पास आता है और अहमदाबाद की डा.आभा त्रिपाठी ने दिलों की उल्फत कविता सुनाकर आयोजन में मधुरिमा घोल दी। कोलकाता के श्रीकृष्ण कुमार दूबे, हैदराबाद की डा.सुषमा देवी ने भी कविताओं की प्रस्तुति दी।

आयोजक विश्वविद्यालय की डा.अल्पना शर्मा ने असहिष्णुता कहा है, डा.कुलराज व्यास ने मां और बेटे, डा.उमा सैनी ने स्त्री रूप दर्शन, राजेश कुमार ने वफा गांव की, इतना ही काफी है शीर्षक से कविताएं सुनाई। हिन्दी विभागाध्यक्ष डा.कल्पना मौर्य ने प्रारंभ में स्वागत करते हुए संस्था का विस्तृत परिचय दिया। हिन्दी विभाग की सह आचार्य डा.विदुषी आमेटा ने काव्य गोष्ठी का संचालन किया।

तारानगर  
ओर से रा  
सनाह क  
के सरस  
रंगोली  
किया  
बताया  
छात्रा  
व मा  
द्विती  
स्थान  
जांमि  
दीप  
पूज  
लि  
स

न हॉस्पिटल का  
ारम्भ

CROSSWORD 6151...

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

बाएं POCO